Roll No……
Signature of Invigilator ……

Paper Code

PGD-VDCT-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2024
P.G. Diploma in Vaidik Darshan with Yoga, Semester: 2nd
दर्शन : प्रश्न-पत्र : प्रथम
दर्शन बोध

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. न्यायदर्शन के बोडश पदार्थों का वर्णन करें।
2. वैशेषिक दर्शन के षड्पदार्थों का उल्लेख करें।
3. महर्षि कणाद के अनुसार द्रव्य, गुण व कर्म के लक्षण को उदाहरण सहित वर्णन करें।
4. वेदान्त के साधन चतुष्टय का उल्लेख करें।
5. न्यायदर्शनानुसार प्रमेयों पर प्रकाश डालें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. अभाव के स्वरूप एवं प्रकारों का उल्लेख करें।
7. वैशेषिक दर्शन के अनुसार 'कर्म' नामक पदार्थ पर प्रकाश डालें।
8. वेदान्त दर्शनानुसार जीवात्मा के स्वरूप, परिमाण एवं कर्त्ता-भोक्ता का उल्लेख करें।
9. न्याय के अनुसार पञ्चावयव पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
10. महर्षि कणाद के अनुसार शरीर के भेद का वर्णन करें।
11. न्यायदर्शन के अनुसार दोषों का वर्णन करें।
12. वैशेषिक दर्शन के मुख्य प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालें।

----------X----------

Roll No……
Signature of Invigilator ……

Paper Code

PGD-VDCT-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

P.G. Diploma in Vaidik Darshan with Yoga, Semester: 2nd

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : द्वितीय

संस्कृत-व्याकरण

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. मति, नदी, स्त्री, इन तीनों शब्दों के सातों विभक्तियों में रूप लिखें।
2. मुद्, हस्, अस्, इन तीनों धातुओं के पांच लकारों में रूप लिखें।
3. गुण-सन्धि, वृद्धि सन्धि, दीर्घ सन्धि की व्याख्या सोदाहरण करें।
4. विभक्ति किसे कहते हैं? वाक्य रचना के माध्यम से विभक्तियों का प्रयोग प्रदर्शित करें।
5. बहुव्रीहि और तत्पुरुष समास की विस्तृत व्याख्या करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. धेनु और वधू इन दोनों शब्दों के सभी रूप लिखें।
7. श्रु धातु के पांचों लकारों में रूप लिखें।
8. द्वन्द्व समास की व्याख्या प्रस्तुत करें।
9. वाच् और गृह् इन दोनों शब्दों के सभी रूप लिखें।
10. जश्त्व सन्धि की सोदाहरण व्याख्या करें।
11. दिव् धातु के पांचों लकारों में रूप लिखें।
12. अव्ययीभाव समास की व्याख्या सोदाहरण प्रदान करें।

----------X----------

Roll No……
Signature of Invigilator ……

Paper Code

PGD-VDCT-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

P.G. Diploma in Vaidik Darshan with Yoga, Semester: 2nd

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : तृतीय

संस्कृत-साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. परा-अपरा विद्या से क्या समझते हैं? विस्तार से लिखें।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार तीन प्रकार के आहारों को श्लोक सहित स्पष्ट करें।
3. श्वेताश्वतरोपनिषद् में वर्णित योगी (योगाभ्यास) के विषय में मंत्र सहित स्पष्ट करें।
4. गीता के सोलहवें अध्याय में वर्णित दैवीसम्पद् के श्लोकों सहित समझाइये।
5. शिक्षावल्ली में स्नातकों को दिये गये उपदेशों को स्पष्ट करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. "प्रणवो धनुः शरो हि आत्मा" को स्पष्ट करें।
7. "सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज" की व्याख्या करें।
8. सत्यकाम जाबाल का परिचय दीजिए।
9. स्वाध्याय की महिमा लिखें।
10. श्रीमद्भगवद्गीता के कर्म विषयक श्लोकों में से कोई दो श्लोक लिखिए।
11. पञ्चकोशों का परिचय दीजिए।
12. प्राण तथा इन्द्रियों में कौन श्रेष्ठ हैं। स्पष्ट करें।

----------X----------

Roll No……..
Signature of Invigilator ……

Paper Code

PGD-VDCT-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

P.G. Diploma in Vaidik Darshan with Yoga, Semester: 2nd

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ

वेदाङ्ग प्रबोध

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वैदिक वाङ्मयों में वेदाङ्ग को परिभाषित करें।
2. कल्प क्या है? कल्प के भेद बताइए।
3. छन्द को परिभाषित करते हुए उसके प्रकार का उल्लेख करें तथा छन्द ज्ञान के लाभ क्या-क्या है? विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
4. ज्योतिष शब्द का अर्थ, महत्व, प्रयोजन बताते हुए ज्योतिष शास्त्र के स्कन्ध शाखाओं का वर्णन करें।
5. प्राचीनकाल एवं आधुनिककाल के कुछ ज्योतिषाचार्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. वेदाङ्ग शब्द का अर्थ एवं वेदाङ्गों की संख्या बताइए एवं इसकी प्राचीनता को प्रमाणित करें।
7. निचृद्, भूरिक्, विराट्, स्वराट् एवं ककुद्मती पिपीलिकामध्या एवं यवमध्या छन्दों को समझाइये।
8. पाणिनि की जीवनी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
9. सूर्य सिद्धान्त क्या है? वर्णन करें।
10. शिक्षा शब्द की निष्पत्ति कैसे हुई तथा शिक्षाशास्त्र के महत्व को बताइए।
11. आर्यभट्ट प्रथम एवं ब्रह्मगुप्त की जीवनी पर संक्षिप्त प्रकाश डालें।
12. नक्षत्रों का वर्णन करें।

----------X----------

Roll No……………………….
Signature of Invigilator ………

Paper Code

PGD-VDCT-205

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

P.G. Diploma in Vaidik Darshan with Yoga, Semester: 2nd

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : पंचम्

वैदिक साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. नवधा भक्ति को सविस्तार लिखिए।
2. बृहदारण्यकोपनिषद् के पञ्चम अध्याय के 3–12 खण्ड में से किन्हीं तीन का वर्णन करें।
3. चाणक्यनीति के किन्हीं पांच श्लोकों को अर्थ सहित लिखें।
4. श्रीमद्भगवद्गीता के उत्तरार्द्ध (अध्याय 10–18) में से किन्हीं तीन श्लोकों को लिखकर व्याख्या करें।
5. महाभारत के चयनित श्लोकों में से कोई पांच श्लोक अर्थसहित लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. भर्तृहरिशतकम् के किन्हीं तीन श्लोकों को लिखिए जो 'शार्दुलविक्रीडितम्' छन्द में हो।
7. रामायण के चयनित श्लोकों में से कोई दो अर्थ सहित लिखें।
8. "विद्या नाम नरस्य ...." श्लोक को पूर्ण करके व्याख्या करें।
9. विदुरनीति के प्रमुख श्लोकों में से किन्हीं दो को अर्थ सहित लिखिए।
10. "आनाभ्यासे विषं शास्त्रं" श्लोक को पूरा लिखकर व्याख्या करें।
11. "आशा नाम नदी .... नन्दन्ति योगीश्वराः" श्लोक की पूर्ति करें।
12. श्लोक सहित भगवान् राम के गुण लिखिए।

--------------------x--------------------